सत्यमेव जयते

# भारत सरकार

## इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

## राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

## हिन्दी कार्यशाला

## दिनांक : 12 फरवरी 2026

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, उत्तर प्रदेश राज्य केंद्र द्वारा दिनांक 12 फरवरी 2026 को “राजभाषा हिन्दी: विविध आयामों में एक सशक्त भाषा – भारत की सामूहिक भाषाई चेतना पर एक समग्र विमर्श” विषय पर एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य राजभाषा हिन्दी के संवैधानिक, प्रशासनिक, सामाजिक एवं तकनीकी आयामों पर समग्र विचार-विमर्श करना तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा के प्रभावी प्रयोग के प्रति प्रेरित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव श्री शैलेश श्रीवास्तव द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला की पृष्ठभूमि एवं आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राजभाषा का प्रयोग केवल औपचारिक दायित्व न होकर प्रशासनिक कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग होना चाहिए।

इस अवसर पर राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, श्री आशेष कुमार अग्रवाल, विशिष्ट आमंत्रित वक्ता सुश्री रोशन आरा, उप अभियंता, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, लखनऊ, विशिष्ट वक्ता श्री विनय दीक्षित, निदेशक (आई.टी.) तथा अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे। अध्यक्ष महोदय द्वारा विशिष्ट आमंत्रित वक्ता को पौधा तथा एनआईसी उत्तर प्रदेश का वर्ष 2026 का डेस्क कैलेंडर भेंट कर औपचारिक रूप से सम्मानित किया गया।

सचिव महोदय ने कार्यशाला के दो सत्रों की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के माध्यम से राजभाषा हिन्दी के बहुआयामी स्वरूप पर चर्चा के साथ-साथ व्यवहारिक स्तर पर उसके प्रयोग की संभावनाओं को रेखांकित किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान उप महानिदेशक श्री सुनील शर्मा द्वारा एआई आधारित अनुप्रयोगों जैसे ए.आई.-पारखी, वाणी, मात्रा, श्रुति, सारांश, पाणिनी एवं निभृत के प्रभावी उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने इन उपकरणों की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक कार्यों में इनके प्रयोग तथा न्यायालयीन कार्यवाहियों में इनके उपयोग की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

अपर राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी श्री अजय गोपाल भरतारिया द्वारा राजभाषा से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उन्होंने कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग, निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति तथा विभागीय संचार में हिन्दी को प्राथमिकता देने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। मीडिया समूह के प्रमुख के रूप में उन्होंने विभागीय गतिविधियों एवं संप्रेषण में हिन्दी के प्रयोग को विशेष महत्व देने पर बल दिया।

सचिव महोदय द्वारा राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निर्धारित कार्ययोजना पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। उन्होंने प्रश्नावली के निर्माण के संबंध में उसके उद्देश्य, उपयोगिता एवं अपेक्षित सूचनाओं की स्पष्ट जानकारी प्रदान की। साथ ही, उन्होंने सभी अधिकारियों से सक्रिय सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया, ताकि निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध एवं प्रभावी पूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

कार्यशाला का आयोजन दो सत्रों में किया गया।

## प्रथम सत्र

प्रथम सत्र की प्रमुख वक्ता सुश्री रोशन आरा ने “राजभाषा हिन्दी: विविध आयामों में एक सशक्त भाषा – भारत की सामूहिक भाषाई चेतना पर एक समग्र विमर्श” विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया।

उन्होंने अपनी प्रस्तुति में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर विचार रखे–

1. **राजभाषा हिंदी: विविध आयाम** – हिन्दी के सांस्कृतिक, प्रशासनिक एवं सामाजिक आयामों पर प्रकाश डाला।
2. **संवैधानिक आधार** – भारतीय संविधान में राजभाषा संबंधी प्रावधानों एवं उनके महत्व का उल्लेख किया।
3. **कार्यालयी हिंदी का क्षेत्र** – सरकारी कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग, पत्राचार, नोटिंग एवं प्रतिवेदन लेखन के महत्व पर चर्चा की।
4. **हिंदी: संपर्क भाषा** – विभिन्न भाषाई क्षेत्रों को जोड़ने में हिन्दी की भूमिका को रेखांकित किया।
5. **वैश्विक सांख्यिकी** – विश्व स्तर पर हिन्दी भाषियों की संख्या एवं हिन्दी के प्रसार का उल्लेख किया।
6. **भाषाई संकट और चुनौतियां** – बदलते परिवेश में हिन्दी के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर विचार प्रस्तुत किए।
7. **तकनीक और डिजिटल क्षेत्र** – सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल माध्यमों में हिन्दी की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।
8. **समाधान और संकल्प** – प्रशासनिक एवं व्यक्तिगत स्तर पर हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग हेतु ठोस कदम उठाने का आह्वान किया।

उनका व्याख्यान ज्ञानवर्धक एवं प्रेरक रहा, जिसमें भाषा और तकनीक के समन्वय की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया।

## द्वितीय सत्र

द्वितीय सत्र में श्री विनय दीक्षित, निदेशक (आई.टी.) द्वारा “प्लास्टिक निषेध अभियान” विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने प्लास्टिक के इतिहास, उसके विकास एवं वर्तमान उपयोग की पृष्ठभूमि प्रस्तुत की। उन्होंने प्लास्टिक के पर्यावरणीय दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए दैनिक जीवन में छोटे-छोटे व्यवहारिक कदमों द्वारा प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के उपाय सुझाए।

उन्होंने कार्यालयों में एकल-उपयोग प्लास्टिक के स्थान पर वैकल्पिक साधनों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

## विशेष प्रस्तुति

कार्यक्रम के दौरान साहित्यिक प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया गया। श्री विजय प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा ‘रश्मिरथी’ का भावपूर्ण पाठ प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित श्रोताओं को साहित्यिक संवेदना से जोड़ दिया।

सुश्री रोशन आरा द्वारा नारी सशक्तिकरण विषय पर अपनी स्वरचित कविता का पाठ किया गया, जिसमें समाज में महिला की भूमिका, संघर्ष एवं सशक्त उपस्थिति को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया गया।

# धन्यवाद ज्ञापन एवं समापन

समापन अवसर पर विशिष्ट वक्ता सुश्री रोशन आरा द्वारा अपनी स्वरचित पुस्तिका “रोशननामा” राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी को सम्मानस्वरूप भेंट की गई।

अंत में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव श्री शैलेश श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हिन्दी के माध्यम से प्रशासन को अधिक जनोन्मुखी, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जा सकता है।

कार्यशाला का सफल आयोजन राजभाषा कार्यान्वयन समिति, राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। आयोजन में समिति की सदस्य श्रीमती वंदना सिंह, श्री महेंद्र, श्री सितांशु राय, सुश्री रश्मि दीक्षित एवं श्री पवनजीत सिंह का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

इस प्रकार कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राजभाषा हिन्दी के व्यापक प्रयोग हेतु अपने स्तर पर सक्रिय प्रयास करने का संकल्प व्यक्त किया।